

संक्षिप्त समाचार

सीबीआई के 6 अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत चलाने का निर्देश छत्तीसगढ़ के इंटेलिजेंस चीफ भी धिरे



रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के इंटेलिजेंस चीफ और आइपीएस अधिकारी अमित कुमार समेत सीबीआई के छह अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने अदालत में कथित तौर पर गलत तथ्य पेश करने और झूठे साक्ष्य से जुड़े आरोपों पर छह अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मधु जैन ने छह अक्टूबर 2026 को दिए फैसले में संबंधित दस्तावेज और विभागीय फाइलों को प्रथम दृष्टया कार्रवाई के लिए पर्याप्त आधार माना। शिकायत चार सप्ताह के भीतर सक्षम क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट के पास भेजीनी होगी। अदालत के आदेश में आइपीएस अमित कुमार, प्रेम कुमार गौतम और विनीत विनायक समेत रमन त्यागी, सुशील दीवान, मोहम्मद आजाद के नाम शामिल हैं। संबंधित घटनाक्रम के समय अमित कुमार सीबीआई में डीआईजी थे। वह 1998 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं। यह मामला पूर्व आईआरएस अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल की आय से अधिक संपत्ति की जांच से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इस जांच के दौरान सीबीआई के जवाब के मसौदों में अनधिकृत बदलाव किए गए और अदालत के सामने गलत तथ्य रखे गए। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले को दबाने या अदालत को गुमराह करने के प्रयासों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

चंडीगढ़ डीपिंग ग्राउंड के 150 करोड़ के प्रोजेक्ट का हिसाब खंगालेगी सीबीआई कई अफसरों पर गिर सकती है गाज

चंडीगढ़, एजेंसी। शहर के डीपिंग ग्राउंड में कचरे के पहाड़ के साथ अब करोड़ों रुपये के खर्च का हिसाब भी जांच के दायरे में आ सकता है। पिछले पांच वर्षों में कचरे के प्रबंधन और निस्तारण पर करीब 150 करोड़ रुपये खर्च होने की बात सामने आई है। अब इस रकम के इस्तेमाल, कंपनियों को काम आवंटित करने की प्रक्रिया और भुगतान के तरीके को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायत में टेंडर आवंटन में कथित अनियमितताओं और नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए गए हैं। मामले में सीबीआई की जांच का फोकस सरकारी धन के इस्तेमाल और ठेकों की प्रक्रिया पर रहने की संभावना है।

अब सीबीआई रखेगी पैनी नजर: शहर में प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा डीपिंग ग्राउंड पहुंचता है। इसके निस्तारण, सेग्रिगेशन और प्रबंधन के लिए नगर निगम ने अलग-अलग कंपनियों को काम सौंप रखा है। इसके अलावा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का संचालन भी निजी कंपनी के माध्यम से किया जा रहा है। इन कार्यों के लिए कंपनियों को प्रति टन के हिसाब से भुगतान किया जाता है। ऐसे में जांच का अहम बिंदु यह होगा कि ठेके की शर्तों के मुताबिक वास्तव में कितना काम हुआ और उसके बदले कितनी रकम जारी की गई। नगर निगम में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विंग भी बनाया गया है, जिसकी जिम्मेदारी इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी गई है। अब सवाल यह है कि इस व्यवस्था के तहत ठेकों की निगरानी किस स्तर पर हुई, काम की गुणवत्ता और मात्रा का सत्यापन कैसे किया गया और भुगतान से पहले किन दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी दी गई।

सैनैटरी इस्पेक्टर का रिश्वात मामला भी गरमाया: नगर निगम के सैनैटरी इस्पेक्टर के पांच लाख रुपये की रिश्वात लेते पकड़े जाने के मामले के बाद डीपिंग ग्राउंड से जुड़े ठेकों और भुगतान व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, रिश्वात मामले और अन्य ठेकों में अनियमितताओं के आरोपों की अलग-अलग जांच और तथ्यों के आधार पर ही स्थिति स्पष्ट होगी।

एक ही काम के अलग-अलग रेट, भुगतान की जांच अहम: डीपिंग ग्राउंड में कचरे के निस्तारण से जुड़े कार्यों में कथित गड़बड़ियों को लेकर सबसे बड़ा सवाल अलग-अलग कंपनियों को दिए गए रेट पर है। आरोप है कि एक ही प्रकार के काम के लिए अलग-अलग दरों पर ठेके आवंटित किए गए। यदि काम की प्रकृति, मात्रा, तकनीकी शर्तों और अन्य परिस्थितियों में अंतर नहीं था, तो दरों में इस अंतर का आधार क्या था जांच में यह देखा जाना जरूरी होगा कि कंपनियों ने निर्धारित अवधि में कितना काम पूरा किया, कितनी मात्रा में कचरे का निस्तारण किया गया और भुगतान वास्तविक काम के अनुपात में हुआ या नहीं। इसके लिए टेंडर दस्तावेज, वर्क ऑर्डर, बिल, माप पुस्तिकाएं, निरीक्षण रिपोर्ट और भुगतान संबंधी रिकॉर्ड अहम होंगे।

जमीन खरीद-फरोख्त में टैक्स और स्टॉप ड्यूटी चोरी का बड़ा खेल, आईटी विभाग ने पकड़ा 300 करोड़ से अधिक का घोटाला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के आयकर विभाग ने टैक्स और स्टॉप ड्यूटी चोरी करने के एक बेहद शांति तरीके का खुलासा किया है। इस खुलासे के सामने आने के बाद से अधिकारियों के साथ-साथ लोग भी हैरान रह गए हैं। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस अनोखे फर्जीवाड़े के जरिए 300 करोड़ रुपये से ज्यादा के भूमि सौदों में पैसों की हेराफेरी और कम रिपोर्टिंग का मामला सामने आया है। साफ-शब्दों में कहे तो यह नया पैतरा पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ सकता है।

कैसे की जा रही थी टैक्स की चोरी: आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने पाया कि जमीन की खरीद-फरोख्त के दौरान जो



रजिस्टर्ड सेल डीड बनवाई जा रही थी, उसमें संपत्ति की पूरी कीमत बहुत कम करके दिखाई जा रही थी। असली खेल इसके बाद शुरू होता था... बाकी बची हुई बड़ी रकम का भुगतान करने के लिए 'फुल एंड फाइनल सेटलमेंट डीड' तैयार की जाती थी, जो कि अनारक्षित होती थी। सबसे शांति वाली बात यह थी कि इस अतिरिक्त रकम का भुगतान बैंकिंग

ऑनलाइन या बैंक ट्रांसफर के जरिए से किया जाता था ताकि सबूत मिटाने में आसानी हो।

स्थानीय बिल्डर्स इसका ऐसे उठाते थे

फायदा: जांच में यह बात सामने आई है कि स्थानीय बिल्डर्स इस तरीके का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर बड़े जमीन के टुकड़े खरीदने और फिर वहां रिहायशी फ्लैट या प्लॉट विकसित करने के लिए कर रहे थे।

सरकार को करोड़ों का चूना: इस बात को ऐसे समझिए कि चूंकि अतिरिक्त भुगतान सेल डीड का हिस्सा नहीं होता था, इसलिए खरीदार को राज्य सरकार को कोई स्टॉप ड्यूटी या रजिस्ट्रेशन फीस नहीं चुकानी पड़ती थी। इससे सरकारी खजाने को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा था। टैक्स अधिकारियों ने इस

बात की चेतावनी कर्नाटक के रजिस्ट्रेशन विभाग को दे दी है।

टीडीएस की भी अनदेखी: इतना ही नहीं कई मामलों में खरीदारों ने 'शहरी कृषि भूमि' खरीदने के बावजूद टीडीएस नहीं काटा। इसकी वजह से सेटलमेंट डीड के जरिए दिया गया अतिरिक्त पैसा आयकर विभाग के रडार

से बाहर ही रहा। ऐसे में जिन विक्रेताओं ने कृषि भूमि की बिक्री पर टैक्स छूट का दावा किया था, उन्होंने अपने आईटीआर रिटर्न में इसका जिक्र ही नहीं किया, जिससे सरकार को टैक्स मिलना तो दूर, लेन-देन का रिकॉर्ड भी नहीं मिला।

अधिकारियों ने इससे बचने के लिए क्या सुझाव दिए

गौरतलब है कि इस पूरे फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद टैक्स अधिकारियों ने कुछ बेहद अहम सुझाव दिए हैं। इस मामले में अधिकारियों का मानना है कि शहरी इलाकों से सटी जमीनों के सरकारी दाम मौजूदा बाजार भाव से काफी कम हैं। यही वजह है कि लोग ऐसे शॉर्टकट और अंडर-वैल्यूेशन का रास्ता अपनाते हैं।

सर्किल रेट को बाजार के असली भाव के बराबर लाना होगा। दूसरी ओर विभाग ने ऐसे कई रजिस्टर्ड ट्रांजेक्शन भी पकड़े हैं जहां संपत्तियों की अदला-बदली के दौरान उनका दाम बहुत कम दिखाया गया था, ताकि कम स्टॉप ड्यूटी चुकानी पड़े और बाकी का पैसा फिताबी से बाहर दिया जा सके।

हिमाचल में 3000 करोड़ से 340 सड़कों का होगा चौड़ीकरण, पीडब्ल्यूडी मंत्री का बड़ा ऐलान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने और दूरराज के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुधारने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शिमला सड़क योजना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के दूसरे चरण के तहत प्रदेश की 340 सड़कों के उन्नयन और चौड़ा करने के लिए करीब 3000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

विक्रमादित्य सिंह का बड़ा ऐलान: लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-4) के दूसरे चरण में प्रदेश की 340 सड़कों के उन्नयन और चौड़ा किए जाने पर करीब 3000 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है।

1659 किलोमीटर सड़क नेटवर्क को होगा लाभ: इससे लगभग 1659 किलोमीटर सड़क नेटवर्क को लाभ होगा। नवंबर के पहले या दूसरे सप्ताह तक केंद्र से औपचारिक मंजूरी मिलने की संभावना है। सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में मंत्री विक्रमादित्य ने कहा कि पहले बैच में 294 सड़कों के लिए करीब 2300 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे।

कंगना रनौत को लगाई फटकार: अपने ही प्रदेश को छोड़ न दिखिए सांसद कंगना रनौत सांसद कंगना रनौत के हिमाचल को केंद्र पर बाड़ा बताने संबंधी बयान पर विक्रमादित्य ने कहा कि राजनीतिक विचारधारा अलग हो सकती है।

प्रदर्शन के लिए दिल्ली जा रहे युवाओं को बंधक बनाना

● हाई कोर्ट ने कहा- 18 लोगों को तुरंत रिहा किया जाए

जबलपुर, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे गोवा के 18 यात्रियों को इटारसी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतारे जाने का मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट पहुंच गया है। हाई कोर्ट में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश अल्पेश कोगजे व न्यायमूर्ति विवेक जैन की दुगुलपीट ने पुलिस कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए नर्मदापुरम एसपी को निर्देश दिया है कि हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को अदालत के समक्ष पेश किया जाए या उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रकरण की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। गोवा निवासी याचिकाकर्ता सार्दुल जितेंद्र बुआ की ओर से दायर याचिका में बताया



गया कि वह अपनी बहन और अन्य साथियों के साथ 10 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित सीजेपी के आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए ट्रेन से जा रहे थे। सबके पास वैध टिकट थे, लेकिन जब उनकी ट्रेन इटारसी रेलवे स्टेशन पहुंची, तो जीआरपी ने उन्हें नीचे उतार लिया और बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

क्या है मामला: महाराष्ट्र के छात्र-छात्राएं पुणे से गोवा एक्सप्रेस में सवार होकर दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 10

अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होना था। प्रदर्शन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध किया जाना था। इसी दौरान ट्रेन के इटारसी रेलवे स्टेशन पहुंचने पर छात्र-छात्राओं को उतारकर हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित एक रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए लोगों की

संख्या 21 बताई गई है।

कांग्रेस नेताओं को मिलने से रोका

युवाओं को रिसोर्ट में रखे जाने की जानकारी मिलने पर शुक्रवार को कुछ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स पार कर रिसोर्ट के अंदर जाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, लेकिन कार्यकर्ताओं को अंदर नहीं जाने दिया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस की गतिविधियां लगातार जारी रही। एसपी साई कृष्णा थोटा और एसपी अभिषेक राजन के नेतृत्व में पुलिस बल युवाओं की निगरानी कर रहा है। दिल्ली में प्रस्तावित धरने में युवाओं की भागीदारी रोकने के लिए की गई इस कार्रवाई के बाद इटारसी से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

महुआ मोइत्रा को बंगाल के मुख्य सचिव का कानूनी नोटिस, 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने तुणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को उनके खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर की गई कथित मानहानिकारक टिप्पणियों के मामले में कानूनी नोटिस भेजा है।

शुक्रवार को भेजे गए नोटिस में उन्होंने बिना शर्त माफी मांगने के साथ 10 करोड़ रुपये हर्जाने की मांग की है। इसके अलावा कानूनी और अन्य संबंधित खर्चों के लिए 50 हजार रुपये देने को भी कहा गया है। नोटिस में महुआ मोइत्रा से इसे प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर संबंधित दोनों पोस्ट हटाने और लिखित माफी देने को कहा गया है।



साथ ही भविष्य में इस तरह की कथित मानहानिकारक टिप्पणियां नहीं करने का लिखित आश्वासन भी मांगा गया है। अग्रवाल का कहना है कि इन टिप्पणियों से उनकी प्रतिष्ठा, ईमानदारी और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा है।

जिस ग्रीन कार्ड को लेकर ट्रंप लाल, उसका क्या काम, क्यों लगातार सख्त हो रहे वीजा से जुड़े नियम



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ाई, नौकरी और स्थायी रूप से बसने की प्रक्रिया विदेशी नागरिकों के लिए मुश्किल होती जा रही है। 8 अक्टूबर 2026 को अमेरिकी सरकार ने आठ टेक कंपनियों को ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया से जुड़े पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित कर दिया। इससे इन कंपनियों के जरिए ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इससे पहले भी अमेरिका में नौकरी और पढ़ाई के लिए आने वाले विदेशियों की जांच और वीजा नियमों में बदलाव किए गए हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि अमेरिका में कितने

विदेशी पढ़ते और काम करते हैं नया फैसला क्या है इससे क्या बदलेगा अमेरिका में विदेशियों के लिए कितने प्रकार के कार्ड और वीजा हैं विशेषज्ञों की इस पर क्या राय हैअंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की ओपन डोर्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में अमेरिका के उच्च शिक्षण संस्थानों में 11,77,766 अंतरराष्ट्रीय छात्र पढ़ रहे थे। इनमें 3,63,019 भारतीय छात्र थे। इसी अवधि में 2,77,118 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने पहली बार अमेरिकी संस्थानों में दाखिला किया।

अमेरिका में कितने विदेशी काम करते हैं: अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका की श्रमशक्ति में विदेशी मूल के 3.23 करोड़ लोग शामिल थे। इनमें करीब 3.09 करोड़ लोग रोजगार में थे। यह आंकड़ा विदेशी मूल के लोगों का है, केवल वर्क वीजा पर काम करने वालों का नहीं।

रूस ने की आईसीसी प्रमुख के प्रत्यर्पण की मांग: जापान ने किया विरोध, क्या है पूरा विवाद

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को रूस की उस मांग का कड़ा विरोध किया, जिसमें नीदरलैंड से अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की अध्यक्ष और जापानी नागरिक तोमोको अकाने समेत अदालत के आठ अन्य अधिकारियों को रूस को सौंपने के लिए कहा गया है। आईसीसी का मुख्यालय यूरोपीय देश नीदरलैंड में है।रूस ने इन नौ लोगों के प्रत्यर्पण की मांग की है। यह कदम आईसीसी की ओर से 2023 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के जवाब में उठया गया। यह वारंट यूक्रेन युद्ध के मामले में जारी किया गया था। पिछले साल मॉस्को की एक अदालत ने इन नौ लोगों को उनकी गैरमौजूदगी में जेल की सजा सुनाई थी।जापान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि टोक्यो ने मॉस्को के साथ बातचीत के दौरान इन मांगों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है। जापान के उप मुख्य केबिनेट सचिव फुसानाओ ओजोकी ने पत्रकारों से कहा, आईसीसी से जुड़े लोगों को निशाना बनाने वाले कदम अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य



है। इसके बावजूद रूस ने कई देशों से प्रत्यर्पण की मांग की है। हमें इस बात का अफसोस है। ओजोकी ने कहा कि जापान आगे भी उचित कदम उठाएगा। इसमें रूस के सामने और विरोध दर्ज कराना भी शामिल है।हाद बयान रूस के सरकारी वकील के कार्यालय की कार्रवाई के एक दिन बाद आया। गुरुवार को रूस ने नीदरलैंड समेत कई देशों से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की अध्यक्ष तोमोको अकाने और आठ अन्य अधिकारियों को रूस को सौंपने की मांग की थी।रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, मॉस्को ने आईसीसी पर आरोप लगाया है कि उसने बिना किसी सबूत के रूसी नागरिकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए। रूस का कहना है

कि ये वारंट अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों और नियमों का उल्लंघन करते हैं।

जापान और रूस के बीच तनाव क्यों बढ़ा:अगस्त में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रशांत महासागर में स्थित उन द्वीपों का दौरा किया था, जिन पर जापान अपना दावा करता है। इसके बाद जापान और रूस के संबंध और खराब हो गए। द्वितीय विश्व युद्ध के आखिरी दिनों में सोवियत संघ ने ये द्वीप जापान से अपने कब्जे में ले लिए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद जारी है। इसी विवाद के कारण दोनों देश औपचारिक रूप से युद्ध की स्थिति समाप्त करने वाली शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं कर पाए हैं।

कैसे संतुलन बना रहा जापान:जापान के लिए आईसीसी का समर्थन करने और अमेरिका के साथ अपने संबंध बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। अमेरिका आईसीसी को कमजोर करने और उसकी गतिविधियों को रोकने के लिए अभियान चला रहा है। इसकी वजह अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ

अदालत की जांच है। इनमें इस्त्राइल भी शामिल है।शुक्रवार को बाद में वाशिंगटन ने आईसीसी के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की। इससे पहले भी अकाने और अदालत के करीब एक दर्जन अन्य अधिकारियों को निशाना बनाते हुए कदम उठाए गए थे।जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची को देश में आलोचना का सामना करना पड़ा है। आलोचना की एक वजह अमेरिका के साथ जापान के करीबी गठबंधन और नीदरलैंड स्थित आईसीसी को जापान के समर्थन के बीच संतुलन बनाने की उनकी कोशिश है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर जापान की प्रधानमंत्री ने क्या कहा: शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में ताकाइची ने आईसीसी और कानून के शासन के प्रति जापान का समर्थन दोहराया। उन्होंने यह बयान अमेरिका के नए प्रतिबंधों के जवाब में दिया।ताकाइची ने कहा, ये कदम जापान के लगातार बने रहे रुख से मेल नहीं खाते। जापान इनसे बहुत चिंतित है। उन्होंने

कहा कि जापान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा। साथ ही, आईसीसी को जरूरी सहायता देता रहेगा, ताकि अदालत अपना काम कर सके और अपनी भूमिका निभा सके। ताकाइची ने कहा कि टोक्यो, अकाने, आईसीसी और संबंधित देशों के साथ संपर्क बनाए रखेगा।

आईसीसी पर अमेरिकी प्रतिबंधों से क्या असर पड़ेगा: नए प्रतिबंधों के कारण आईसीसी की अमेरिका स्थित वित्तीय सेवाओं और तकनीकी कंपनियों तक पहुंच रोक दी गई है। अमेरिकी डॉलर के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है। इन प्रतिबंधों के तहत आईसीसी के साथ कारोबार करने वाली अमेरिकी कंपनियों और व्यक्तियों को अपनी गतिविधियां बंद करने के लिए छह महीने का समय दिया गया है।इससे पहले जापान गए प्रतिबंधों ने प्रतिबंधित लोगों की अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में मौजूद संपत्तियों को जब्त करना शामिल था। इसके अलावा, आईसीसी के अधिकारियों और उनके परिवारों के अमेरिका में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई थी।

संजय टाइगर रिजर्व में हाथी महोत्सव शुरू: 14 अक्टूबर तक चलेगा कैंप, फल-गन्ने की दावत और तेल मालिश से होगी हाथियों की खास देखभाल



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व में हाथी महोत्सव शुरू, फल-गन्ना खि संजय टाइगर रिजर्व के दुबरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत खैरी झील में 9 अक्टूबर से हाथी महोत्सव एवं रिजुवनेशन कैंप की शुरुआत शिविर 14 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत हाथियों के स्वास्थ्य परीक्षण, देखभाल और उन्हें स्वस्थ रखने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं शनिवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में वन विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों की मौजूदगी में हाथियों की जांच की गई कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन के साथ हुई।

● **चार हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण:** वन्य प्राणी विशेषज्ञ डॉ. अभय सेंगर और जबलपुर से आई टीम ने संजय टाइगर रिजर्व के चार हाथियों बापु, भरत, चित्रा और शांभवी का स्वास्थ्य परीक्षण किया जांच के लिए हाथियों के खून और गोबर के नमूने एकत्र कर भेजे गए हैं शिविर में हाथियों की तेल मालिश की गई और उन्हें केला, नारियल, सेब, अनार तथा गन्ना खिलाया गया महोत्सव के दौरान हाथियों की सेहत और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

● **महावतों और पेट्रोलिंग श्रमिकों को सामग्री:** कार्यक्रम में हाथियों की देखभाल करने वाले महावतों को वर्दी, जूते और टॉच वितरित किए गए। वहीं, आईडीबीआई बैंक की ओर से पेट्रोलिंग श्रमिकों को टॉर्च, मच्छरदानी और पानी की बोतलें प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य वन क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करना है।

● **वन संरक्षण और रोजगार पर जोर:** कार्यक्रम में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा और संजय टाइगर रिजर्व के उप संचालक राजेश कन्ना टी. सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे विधायक और कलेक्टर ने स्थानीय लोगों को वन संरक्षण से जोड़ने तथा उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया 14 अक्टूबर तक चलने वाले इस शिविर में हाथियों की नियमित देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां जारी रहेंगी हाथी महोत्सव के माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण और उनकी बेहतर देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण और अधिकारों पर तीन दिवसीय जेंडर सीआरपी प्रशिक्षण संपन्न



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र, विकासखंड सीधी में 8 से 10 अक्टूबर तक तीन दिवसीय आवासीय जेंडर सीआरपी प्रशिक्षण आयोजित किया गया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में विकासखंड मझौली के चिन्हाकित जेंडर सीआरपी को विभिन्न सामाजिक और कानूनी विषयों की जानकारी दी गई।

● **महिला अधिकारों और बाल संरक्षण पर प्रशिक्षण:** प्रशिक्षण के दौरान जेंडर विकेद्रीकरण, बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, किशोर कल्याण एवं स्वास्थ्य, शिक्षा में समता और समानता, महिला साक्षरता, जेंडर आधारित हिंसा तथा महिलाओं से संबंधित कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी गई प्रतिभागियों को इन विषयों की समझ विकसित करने और ग्रामीण समुदायों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

● **गांवों तक पहुंचाएंगी जागरूकता का संदेश:** प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जेंडर सीआरपी को इस प्रकार सक्षम बनाना है कि वे अपने स्वसहायता समूहों, ग्राम पंचायतों और संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) के माध्यम से महिलाओं एवं परिवारों तक अधिकारों से जुड़ी जानकारी पहुंचा सकें प्रशिक्षित जेंडर सीआरपी महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करेंगी इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशिक्षण में जिला जेंडर नोडल मास्टर ट्रेनर हरि राम त्रिपाठी, विकासखंड प्रबंधक मझौली चन्द्रकांत सिंह बघेल तथा संबंधित सीएलएफ नोडल अरुण गौतम एवं सुंदरलाल तिवारी उपस्थित रहे मास्टर ट्रेनर के रूप में समूह सदस्य एवं समता समन्वयक माया सिंह, मझौली और देववती विश्वकर्मा, विकासखंड सिहावल ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का विशेष अभियान 30 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने और छूटे हुए पात्र नागरिकों को शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत पात्र नागरिक 30 अक्टूबर 2026 तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा ने जिले के सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने की अपील की है।

● **पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं को मिलेगा अवसर:** अभियान के अंतर्गत ऐसे युवा आवेदन कर सकते जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष पूरी हो रही है या हो चुकी है। इसके अलावा 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बावजूद किसी ारणवश मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा पाने वाले पात्र नागरिक भी आवेदन कर सकते हैं।

सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी : विधायक विश्वामित्र पाठक

बहरी में पौधारोपण एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित, विद्यार्थियों और नागरिकों ने निकाली रैली



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र सिहावल के बहरी में पौधारोपण एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया कार्यक्रम में सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इस दौरान थाना पर्सिर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया साथ ही विद्यार्थियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने जागरूकता रैली निकालकर आमजन को यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इन दोनों विषयों के प्रति जागरूक होकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए। यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सकती है और लोगों के अनमोल जीवन की रक्षा की जा

सकती है उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति सजग करना और सुरक्षित वाहन संचालन के लिए प्रेरित करना है वाहन चलते समय नियमों का पालन करना, सावधानी बरतना और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है उन्होंने विद्यार्थियों और क्षेत्रीय नागरिकों से यातायात नियमों को अपनी दिनचर्या



सौंदर्यीकरण के बाद फायर ब्रिगेड से धुलवाया गया फर्श, पौधों की सिंचाई में भी हुआ इस्तेमाल,आपातकालीन वाहन के उपयोग पर उठे सवाल



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। नगरपालिका धनुपुरी में फायर ब्रिगेड के वाहन का इस्तेमाल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की सफाई और पौधों की सिंचाई के लिए किए जाने का मामला सामने आया है हाल ही में सौंदर्यीकरण के बाद पर्सिर में फायर ब्रिगेड से फर्श धुलवाया गया और पौधों को पानी दिया गया इस घटना के बाद नगरपालिका की कार्यप्रणाली और आपातकालीन संसाधनों के

उपयोग को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फायर ब्रिगेड का वाहन आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए तैनात रहता है ऐसे में इस वाहन का इस्तेमाल सामान्य सफाई और सिंचाई जैसे कार्यों में किए जाने से इसकी उपयोगिता और उपलब्धता पर सवाल उठना स्वाभाविक है यदि इसी दौरान कहीं आग लगने की घटना हो

जाए तो वाहन की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी होगी यह भी महत्वपूर्ण सवाल है।

किसके निर्देश पर हुआ इस्तेमाल?: शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में फायर ब्रिगेड के इस्तेमाल को लेकर कई सवाल सामने आ रहे हैं सबसे बड़ा सवाल यह है कि आपातकालीन सेवा के लिए निर्धारित वाहन को पर्सिर की धुलाई और पौधों में पानी डालने के लिए किसके निर्देश पर भेजा गया क्या इसके लिए नगरपालिका के सक्षम अधिकारियों से अनुमति ली गई थी या फिर स्थानीय स्तर पर ही इसका उपयोग करने का निर्णय लिया गया?

इसके अलावा यह सवाल भी उठ रहा है कि नगरपालिका के पास सफाई और सिंचाई के लिए अन्य साधन उपलब्ध होने के बावजूद फायर ब्रिगेड का सहारा क्यों लिया गया। सार्वजनिक

संसाधनों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में किसी तरह की पेशानी न हो।

सीएमओ ने कहा- मामले को दिखावाएंगे: इस संबंध में धनुपुरी नगरपालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) अमित तिवारी ने बताया कि उन्हें फायर ब्रिगेड के वाहन से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की धुलाई और सिंचाई कराए जाने की जानकारी नहीं है उन्होंने कहा कि वे इस मामले को दिखावाएंगे अब यह देखा होगा कि नगरपालिका प्रशासन मामले की जांच कराकर यह स्पष्ट करता है या नहीं कि फायर ब्रिगेड का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में और किसके निर्देश पर किया गया साथ ही यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि आपातकालीन सेवा के लिए तैनात वाहन का सामान्य कार्यों में उपयोग नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप था या नहीं।

सीधी में विश्वविद्यालय की मांग पर छात्रों की तिरंगा यात्रा, आंदोलन जारी रखने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं का आंदोलन लगातार जारी है इसी क्रम में शनिवार को शासकीय महाविद्यालय जोडीसी सीधी, संजय गांधी कॉलेज सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने तिरंगा यात्रा निकालकर अपनी मांग उठाई यात्रा के माध्यम से छात्रों ने जिले में विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक सीधी में विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा तिरंगा यात्रा सुबह करीब 11:30 बजे संजय गांधी कॉलेज के पास से शुरू हुई हाथों में तिरंगा लेकर निकले छात्र-छात्राएं शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे यात्रा नए बस स्टैंड, लालता चौक, पुपना बस स्टैंड, गांधी चौराहा और सम्राट चौराहा से होकर गुजरी इस दौरान विद्यार्थियों ने



विश्वविद्यालय की मांग के समर्थन में नारे लगाए तेज धूप के बावजूद छात्रों का उत्साह बना रहा और वे अपनी मांग को लेकर एकजुट दिखाई दिए शोध छात्र इंद्रलाल पटेल ने कहा कि जिले में विश्वविद्यालय नहीं होने के कारण उच्च शिक्षा और शोध के लिए विद्यार्थियों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है इससे छात्रों को आर्थिक परेशानी के साथ आवागमन और अन्य

समस्याओं का सामना करना पड़ता है स्थानीय स्तर पर विश्वविद्यालय की स्थापना होने से जिले के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे और उन्हें पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी छात्रों का कहना है कि सीधी में विश्वविद्यालय स्थापित होने से जिले के साथ आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी लाभ मिल सकता है।

नवरात्रि मेले में मैहर स्टेशन पर 15 जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव, 5 मिनट रुकेंगी एक्सप्रेस ट्रेनें

11 से 22 अक्टूबर तक मिलेगी सुविधा, मुंबई, पुणे, सूरत और पटना सहित प्रमुख शहरों के यात्रियों को राहत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। शारदीय नवरात्रि मेले के दौरान मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है रेलवे प्रशासन ने मैहर रेलवे स्टेशन पर 15 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों को पांच मिनट का अस्थाई ठहराव देने की व्यवस्था की है यह सुविधा 11 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी इससे देश के विभिन्न हिस्सों से मैहर आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा में सहूलियत मिलने की उम्मीद है रेलवे प्रशासन के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मैहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और मेले के दौरान बढ़ते वाली भीड़ को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है जबलपुर स्थित



का हिस्सा बनाने की अपील की।

रैली निकालकर दिया सुरक्षित आवागमन का संदेश: कार्यक्रम के दौरान विधायक विश्वामित्र पाठक की अगुवाई में विद्यार्थियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली रैली के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने का संदेश दिया गया। अभियान में शामिल लोगों ने आमजन को सड़क पर सावधानी बताने और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जागरूक रहने की अपील की। इस दौरान सड़क सुरक्षा को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी न मानकर समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी से जुड़ विषय बताया गया जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर सड़क पर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने में योगदान दिया जा सकता है।

प्रत्येक व्यक्ति लगाए कम से कम एक पौधा: थाना पर्सिर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में विधायक ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है बल्कि पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है उन्होंने कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है हरित क्षेत्र बढ़ने से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने में योगदान मिलता है इसलिए नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

सीधी में 7 स्कूलों के अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियां निरस्त, अब मेरिट से मिलेगा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अतिथि शिक्षकों के आमंत्रण, ज्वाइनिंग और मानदेय भुगतान में अनियमितताओं की शिकायतों पर शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है जांच के बाद विकासखंड मझौली, सिहावल और सीधी के सात शासकीय विद्यालयों में नियोजित अतिथि शिक्षकों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं संबंधित शाला प्रभारियों और संकुल प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि विकासखंड पैनल की मेरिट सूची के आधार पर पात्र आवेदकों को नियोजन का अवसर दिया जाए।

जांच में मेरिट की अनदेखी का मामला आया सामने: जिला शिक्षा अधिकारी के जारी आदेश के अनुसार, अगस्त और सितंबर 2026 के दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई सहित अन्य माध्यमों से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति, ज्वाइनिंग और मानदेय भुगतान को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

रूप में आमंत्रित कर नियोजित किया गया था।

सात स्कूलों में हुई कार्रवाई: शिक्षा विभाग के आदेश के तहत मझौली विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौढ़िया, सिहावल के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खेतौही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोखरा, शासकीय प्राथमिक शाला समरदह और शासकीय माध्यमिक शाला कन्या सोनवर्षा तथा सीधी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरम्बावा और शासकीय प्राथमिक शाला करहीखुट में संबंधित अतिथि शिक्षकों की सेवाएं निरस्त की गई हैं।

मेरिट सूची से होगा नया नियोजन: संबंधित शाला प्रभारियों और संकुल प्राचार्यों को निरस्त किए गए अतिथि शिक्षकों को पोर्टल से तत्काल पृथक् करने के निर्देश दिए गए हैं इसके बाद मेरिट सूची में उपलब्ध उच्चतम स्कोर वाले पात्र आवेदक को नियमानुसार अवसर देना होगा नियोजन की पूरी प्रक्रिया का विवरण जिला स्तरीय समिति से अनुमोदित कराना भी अनिवार्य किया गया है आदेश में पूर्व में नियोजित अतिथि शिक्षकों द्वारा की गई सेवा अवधि के मानदेय भुगतान की जिम्मेदारी संबंधित शाला प्रभारियों को दी गई है। भुगतान नहीं होने की स्थिति में संबंधित शाला प्रभारियों को विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। इसके अलावा शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें कार्रवाई की जानकारी देने और आगामी दो दिनों के भीतर शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि अन्य विकासखंडों में अतिथि शिक्षकों से संबंधित लंबित शिकायतों पर भी आगे कार्रवाई की जाएगी।

अतुल्य, नवरात्र का असली सौंदर्य भारत के गाँवों और जनजातों की अचलता में झलकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्र नई फसल की आमद और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का समय है। घटस्थापना में बौए जाने वाले जवारे सीधे नीर पकड़ते हैं और समुद्रि से जुड़े हैं। जनजातों बहुत लक्ष्मी जैसे मध्य भारत के गोदू, बैगा, बस्तर या बालासोरा का प्रसिद्ध दशहरा में माँ दुर्गा को बूढ़ी माई, खेरमाई या ग्राम देवी के रूप में पूजा जाता है। यहाँ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संकल्प के साथ परंपरिक वाद्ययंत्रों और लोकतुल्यों के बीच माँ की आराधना होती है। जो हमारी सबसे प्राचीन और अखंड आध्यात्मिक परंपरा है। यथेष्ट, पंडालों में सजदी माँ की प्रतिमाएँ, जरा, भजन, रामलीला, ड्रामा, डंडियार, डांडिया-गरबा का उल्लास और जगते के केवल मनोरंजन नहीं है। ये समाज को ऊँच-नीच, केवल-भाव से ऊपर उठकर एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं। यह जन-जन में जागृति लाने का अवसर है कि हम एकजुट होकर बुराईयों से लड़ें। ब्रत और उपवास का वास्तविक अर्थ केवल खान-पान का संयम नहीं, बल्कि मन और आचरण की शुद्धता है। नवरात्र के दौरान किया जाने वाला कन्या पूजन समाज को सीधा दर्शक देता है कि नारी का सम्मान ही माँ की सच्ची आराधना है। जिस घर या समाज में बेटी और स्त्री का सम्मान नहीं है, वहाँ माँ दुर्गा की कृपा संभव नहीं। अविभूत, चाहे गुजरत का गरबा हो, बंगाल की दुर्गा पूजा, उत्तर भारत की रामलीला हो दक्षिण भारत का बाम्बु गोल या ग्रामीण चौपालों के लोक-अनुष्ठान।

वन विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आमाखेरवा छठ घाट पर चला स्वच्छता अभियान, जवानों ने किया श्रमदान

सेवा संकल्प अभियान के तहत नदी-घाट स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्ति का दिया संदेश, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की सहभागिता

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जनसेवा से राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ के आमाखेरवा छठ घाट पर वन विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नदी-घाट स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया वन विभाग के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस जवानों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया अभियान के माध्यम से नदी-घाटों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, डीएफओ दुलेश्वर साहू, अतिरिक्त पुलिस



अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, पार्थद स्वप्निल सिन्हा, अंकित शर्मा एवं जलील शाह सहित वन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे वन विभाग की ओर से रेंजर विश्वनाथ सहित अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई पुलिस की विभिन्न इकाइयों के लगभग 60

अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान स्वच्छता अभियान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन मनेन्द्रगढ़, थाना मनेन्द्रगढ़, थाना झगराखंड, चौकी खोंगापानी, साइबर सेल और कंट्रोल रूम के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए इसके साथ ही 18वीं वाहिनी चैनपुर के सशस्त्र बल के जवानों ने भी श्रमदान किया। लगभग 60 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों

एवं जवानों की सहभागिता से अभियान को व्यापक स्वरूप मिला थाना प्रभारी झगराखंड राकेश कुमार साहू, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक यशवंत सिंह श्याम जिला विशेष शाखा प्रभारी राम सिंह टेकाम और सुबेदार कामेश कुमार सहित अन्य जवानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई स्वच्छ घाट सुरक्षित पर्यावरण का दिया संदेश अभियान के माध्यम से संदेश



दिया गया कि नदी-घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है प्लास्टिक का कड़ा उपयोग कचरे का उचित निपटान और नियमित साफ-सफाई जैसे छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त पहल ने प्रशासनिक समन्वय और सामूहिक श्रमदान के

माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण प्लास्टिक मुक्ति और जनभागीदारी का संदेश देते हुए नागरिकों से आमाखेरवा छठ घाट सहित सभी सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

नर्मदापुरम में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने ससुराल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के कुलामढी रोड स्थित कमला हाईटेक कॉलोनी में शुक्रवार रात एक 30 वर्षीय विवाहिता की मौत का मामला सामने आया है। महिला के मायके पक्ष ने एसएसआई प्रवीण शर्मा और नायब तहसीलदार हंसकुमार ओंकर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई की गई और शव को जिला अस्पताल भेजा गया पुलिस के अनुसार, पूजा और हितेश की शादी करीब पांच साल पहले प्रेम विवाह के रूप में हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों पति-पत्नी अपने सास-ससुर से अलग किराए के मकान में रह रहे थे घटना के समय पूजा घर में अकेली थी उसका पति हितेश जब घर लौटा और दरवाजा खटखटाया, तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने खिड़की से अंदर देखा, जहां पत्नी अनेक अवस्था में मिली। पति ने शोर मचाकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया और धक्का देकर दरवाजा खोला हालांकि तब तक पूजा की मौत हो चुकी थी घटना की सूचना मिलने पर मृतका के मायके पक्ष के लोग

मौके पर पहुंचे परिजनों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं मृतका के पिता गेंदालाल जाटव नई जेल के पास रहते हैं घटना की सूचना पर देहात थाने के एसएसआई प्रवीण शर्मा ने बताया कि मामले में परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है मायके पक्ष की ओर से लगाए गए प्रताड़ना के आरोपों की भी जांच की जाएगी जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भूतड़ी अमावस्या पर सेठानी घाट में अव्यवस्था, श्रद्धालुओं के बीच दौड़े मवेशी रात में बिजली गुल होने से छाया अंधेरा, घाट पर सो रहे लोगों को चाटते रहे आवारा पशु 150 से अधिक जवान तैनात

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। भूतड़ी अमावस्या पर मां नर्मदा के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी शुक्रवार रात से ही सेठानी घाट सहित अन्य घाटों पर स्नान पूजन और जागरण के लिए लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। शनिवार सुबह 4 बजे से नर्मदा स्नान का सिलसिला शुरू हुआ। हालांकि भारी भीड़ के बीच सेठानी घाट पर अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं आवारा गाय और गधों के दौड़ने से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई, वहीं रात करीब 12:30 बजे बिजली गुल होने से घाट पर अंधेरा छा गया भूतड़ी अमावस्या पर नर्मदा स्नान की मान्यता के चलते नर्मदापुरम के अलावा हरदा, बैतुल, भोपाल, छिंदवाड़ा, नागपुर, देवास, शाजपुर, विदिशा और महु सहित विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु पहुंचे। रात करीब 12 बजे सेठानी घाट पर



इतनी भीड़ थी कि लोगों को खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही थी रातभर चला भजन-कीर्तन और जागरण चौदस की रात श्रद्धालुओं ने कुलदेवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की घाट पर महिलाओं की टोलियां भजन गायी रहीं। ढोलक झांझ और मंजीरों की थाप पर रातभर जागरण चलता रहा शनिवार सुबह श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान के बाद पितरों के निमित्त

तर्पण और दान किया इंदौर और पीथमपुर से आए श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ घाट पर देवी-देवताओं का दरबार सजाकर पूजा-अर्चना की पंडित देवेंद्र दुबे के अनुसार, इस अवसर पर नर्मदा स्नान, दान और पितरों के तर्पण की परंपरा है सोते श्रद्धालुओं के बीच घूमते रहे मवेशी सेठानी घाट पर आवारा गाय, बैल और गधे घूमते नजर आए। कुछ मवेशी घाट

पर सो रहे श्रद्धालुओं को चाटते रहे। इसी दौरान पशुओं के तेजी से दौड़ने पर लोगों में अफरा-तफरी मच गई गनीमत रही कि कोई उनकी चपेट में नहीं आया। इस स्थिति ने आवारा मवेशियों को नियंत्रित करने के लिए नगर पालिका के हाका दल की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए सुर्क्षा में 150 से अधिक जवान तैनात सेठानी, पर्यटन, कोरी, विवेकानंद और बांद्राभान सहित विभिन्न घाटों पर राजस्व, पुलिस और होमागार्ड के 150 से अधिक जवान तैनात किए गए। सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले के अनुसार, जवान रात 3 बजे से सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे। श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए लगातार अनाउंसमेंट किया जा रहा था। इसके बावजूद बिजली गुल होने से रात में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा।

जैतहरी में सफाई व्यवस्था चरमराई, पीएफ के लिए 50 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर दो साल से भविष्य निधि की राशि जमा नहीं होने का आरोप, 15 वार्डों में सफाई और जलापूर्ति प्रभावित

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले की जैतहरी नगर परिषद में सफाई व्यवस्था पर संकट गहरा गया है। पीएफ (भविष्य निधि) की राशि जमा करने की मांग को लेकर 50 से अधिक सफाई कर्मचारी शनिवार दोपहर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं कर्मचारियों की हड़ताल का असर नगर परिषद के 15 वार्डों में सफाई व्यवस्था और पानी की आपूर्ति पर पड़ रहा है। जगह-जगह कचरा जमा होने से नागरिकों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है दो साल से पीएफ जमा नहीं होने का आरोप हड़ताली कर्मचारियों का आरोप है कि उनके मानदेय से नियमित रूप से पीएफ की राशि काटी जा रही है लेकिन पिछले दो वर्षों से यह राशि उनके भविष्य निधि खातों में जमा नहीं की गई कर्मचारियों का कहना है कि वे इस संबंध में पहले भी आवेदन और जापान देकर समस्या के समाधान की मांग कर चुके हैं लेकिन उनकी



मांग पूरी नहीं हुई अब उन्होंने पूरी बकाया राशि जमा होने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है बजट का हवाला, कर्मचारी पूरी राशि जमा करने पर अड़े कर्मचारियों के अनुसार शनिवार को नगर परिषद अध्यक्ष ने बजट उपलब्ध नहीं होने की बात कही साथ ही एक साल बाद या चार महीने की राशि कुछ दिनों में जमा कराने का आश्वासन दिया हालांकि कर्मचारी पूरी बकाया राशि जमा कराने की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्होंने

नगर परिषद में करोड़ों रुपये की योजनाओं के बजट के बीच पीएफ भुगतान नहीं होने पर भी सवाल उठाए हैं कचरे के ढेर से बढ़ी परेशानी हड़ताल के कारण नगर के मुख्य रास्तों, गलियों और दुकानों के सामने कचरा जमा होने लगा है नवरात्र के दौरान सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है नियमित सफाई नहीं होने से नगर की स्वच्छता व्यवस्था पर असर पड़ रहा है नियमितीकरण का मुद्दा भी उठया दकर्मचारियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद में करीब 20 कर्मचारी 20 वर्षों से सेवा दे रहे हैं लेकिन इनमें से केवल दो को नियमित किया गया है शेष कर्मचारी अब भी दैनिक वेतनभोगी के रूप में काम कर रहे हैं फिलहाल कर्मचारियों की हड़ताल जारी रहने से नगर परिषद के सामने सफाई व्यवस्था बहाल करने और पीएफ संबंधी विवाद सुलझाने की चुनौती है जैतहरी का स्थानीय एंगल और मजबूत करंदावे और आरोपों की भाषा संतुलित करें

रिटायर्ड चीफ इंजीनियर के खिलाफ आरोप पत्र निरस्त, हाईकोर्ट ने माना नियमों का उल्लंघन

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में वित्तीय अनियमितता के थे आरोप राज्यपाल की मंजूरी के बिना शुरू की गई थी विभागीय कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता रियाजुल बारी को गिरफ्तार करने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खिलाफ जारी आरोप पत्र और उसके आधार पर शुरू की गई विभागीय कार्रवाई निरस्त कर दी है कोर्ट ने कहा कि सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के नियम 9 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। इसमें राज्यपाल की मंजूरी का प्रावधान है रियाजुल बारी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे। वे 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद पंचायत एवं



ग्रामीण विकास विभाग ने 21 अप्रैल 2026 को उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत विभिन्न मर्दों की राशि के कथित गलत इस्तेमाल और अनियमित भुगतान के आरोप

लगाए गए थे आरोपों में अतिरिक्त निष्पादन सुरक्षा निधि, सुरक्षा निधि, निष्पादन गारंटी, रेंटल और जोएप्सटी की राशि से संबंधित अनियमितताएं शामिल थीं विभाग ने इन मामलों को सेवा आचरण नियमों के

उल्लंघन से जुड़ बताया था आरोप पत्र को चुनौती देते हुए रियाजुल बारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनकी ओर से दलील दी गई कि सेवानिवृत्ति के बाद उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के लिए पेंशन नियम, 1976 के नियम 9 का पालन किया जाना चाहिए था इसके तहत राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है लेकिन निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया याचिकाकर्ता की ओर से यह भी बताया गया कि सेवानिवृत्ति से पहले विभाग ने उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया था इसमें उनके खिलाफ कोई जांच लंबित नहीं होने की बात कही गई थी याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि केवल मुख्यमंत्री की मंजूरी के आधार पर नियमों में निर्धारित प्रक्रिया को दरकिनार नहीं किया जा सकता।

बैराड़ में कब्रिस्तान की जमीन के पुनर्निरीक्षण की मांग, नवरात्र में सुरक्षा बढ़ाने की अपील विहिप-बजरंग दल ने बाइक जुलूस निकालकर सौंपा ज्ञापन, मीट-मांस की बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बैराड़ में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को विभिन्न मांगों को लेकर तहसील कार्यालय तक बाइक जुलूस निकाला और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा संगठन ने हनुमान मंदिर के सामने कब्रिस्तान के लिए आवंटित जमीन का दोबारा निरीक्षण करने जमीन का आवंटन निरस्त करने नवरात्रि के दौरान धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने और मीट-मांस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग उठाई कार्यकर्ता ठाकुर बाबा मंदिर से बाइक जुलूस के रूप में खाना हुए हनुमान मंदिर के सामने स्थित सरकारी तालाब के डूब क्षेत्र में



तहसीलदार दुर्गापाल सिंह और थाना प्रभारी सुरेश शर्मा को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया विहिप कार्यकर्ता प्रिंस प्रजापति ने बताया कि हनुमान कॉलोनी में कार्यकर्ताओं ने संबंधित जमीन का दोबारा निरीक्षण करने और आवंटन

निरस्त करने की मांग की उन्होंने जमीन के पथरीले होने का हवाला देते हुए आर्शना जताई कि इससे तालाब की सफाई और रखरखाव प्रभावित हो सकता है संगठन ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित निर्णय लेने की अपील की नवरात्रि में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग ज्ञापन में नवरात्रि महोत्सव के दौरान दुर्गा पंडालों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पर्यट पुलिस बल तैनात करने की मांग की गई कार्यकर्ताओं ने त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी तरह की अवांछित गतिविधियों पर रोक लगाने की अपील की।

ट्रक-कंटेनर की आमने-सामने भिड़ंत दोनों चालक केबिन में फंसे

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के देहात थाना क्षेत्र में ककरवाया के पास शनिवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर ट्रक और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर हो गई टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के केबिन क्षतिग्रस्त हो गए और चालक अंदर फंस गए सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों चालकों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया ओवरब्रिज निर्माण के दौरान हादसा ककरवाया के पास एनएच-46 पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है इसके कारण वाहनों का एक ही लेन से निकाला जा रहा है इसी दौरान इंदौर से प्याज लेकर दिल्ली जा रहा ट्रक सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गया कंटेनर आगारा से मुंबई की ओर जा रहा था दोनों

चालकों ने बताए अलग-अलग कारण ट्रक चालक कमलेश यादव जो बिहार का निवासी बताया गया है ने आरोप लगाया कि कंटेनर चालक मोबाइल चला रहा था जिसके कारण उसे सामने से आ रहा ट्रक दिखाई नहीं दिया वहीं कंटेनर चालक साहब सिंह का कहना है कि ट्रक अचानक सामने आ गया था हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुए दोनों चालकों को बाहर निकाला। देहात थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा हादसे का समय सामान्य करंआरोपों को अधिक सावधानी से लिखेंलीड को और संक्षिप्त बनाएं ।

संक्षिप्त समाचार

दादा को फंदे पर लटका मिला पोते का शव

छतरपुर में 18 साल के युवक की मौत, गेट बंद होने पर हुआ था शक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गद्दी मलहरा थाना क्षेत्र के बारी गांव में 18 वर्षीय युवक का शव घर के बरामदे में फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान हरिजन मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 15 निवासी राजेंद्र अहिरवार के रूप में हुई है। वह मातादीन अहिरवार का बेटा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए महाराजपुर भेजकर जांच शुरू की। दादा ने सबसे पहले देखा जानकारी के अनुसार, राजेंद्र का शव बरामदे में पंखे के बांस से रस्सी के सहारे लटका मिला। सबसे पहले उसके दादा गडुआ अहिरवार ने उसे देखा। दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद बाथरूम की तरफ से ऊपर चढ़कर देखने पर राजेंद्र फंदे पर लटका मिला। पोस्टमार्टम के बाद जांच जारी परिवार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए महाराजपुर भेजा।

रतलाम में किराना कर्मचारी ने की खुदकुशी

भतीजी को सल्फास का फोटो भेज लिखा-सॉरी, सुसाइड नोट बरागद, जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के पैलस रोड निवासी किराना दुकान कर्मचारी भारत पंवार (45) ने सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली। गोलियां खाने से पहले उन्होंने सल्फास की डिब्बी का फोटो अपनी भतीजी को वॉट्सएप पर भेजा और साथ में ‘सॉरी’ लिखा। मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे पुलिस आज परिवार के सामने खोलेगी। भारत पिता गोवर्धन पंवार ने गुरुवार शाम सल्फास की गोलियां खा ली थीं। कुछ देर बाद परिजनों को इसकी जानकारी मिली। तलाश करने पर वे घर में ही मिले। गंभीर हालत में परिजन उन्हें पहले जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां गुरुवार रात उनकी मौत हो गई। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उधार दिए रुपए नहीं मिलने से तनाव में थे परिजनों के मुताबिक, भारत ने कुछ लोगों को रुपए उधार दिए थे, लेकिन वे वापस नहीं कर रहे थे। इस वजह से वे अपना लोन भी नहीं चुका पा रहे थे। परिजनों को आशंका है कि इसी कारण वे तनाव में थे। हालांकि, आत्महत्या की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पत्नी और दो बेटों को छोड़ एए भारत के परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। इनमें एक की उम्र 18 साल और दूसरे 14 साल है। परिजनों के मुताबिक, भारत ने पहले 80 फीट रोड पर स्टेशनरी की दुकान खोली थी। वहां दुकान नहीं चलने पर उन्होंने श्रीमालीवास में स्टेशनरी की दुकान शुरू की, लेकिन वह भी नहीं चली। इसके बाद वे किराना दुकान पर काम करने लगे। शनिवार को परिवार के सामने खोलेगी पुलिस माणक चौक थाना प्रभारी विक्रम चौहान ने बताया कि मृतक के पास से सुसाइड नोट मिला है। इसे शनिवार को परिवार के सामने खोला जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नर्मदापुरम में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप, 5 साल पहले हुई थी तब मैरिज



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के कुलमखी रोड स्थित कमला हाईटेक कॉलोनी में एक 30 वर्षीय नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे की है। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम हुआ। मृतका की पहचान पूजा गोरे पति हितेश चौहान (30) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय महिला घर में अकेली थी। पति हितेश जब घर लौटा और दरवाजा खटखटाने पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने खिड़की से झांककर देखा। अंदर पत्नी फंदे पर लटकी हुई थी। पति ने शोर मचाते हुए धक्का देकर दरवाजा खोला और उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पत्नी से बातचीत के शक में युवक की हत्या

दो दोषियों को उम्रकैद, भागवत कथा से लौटते समय बांधकर बेल्ट-डंडों से पीटा था



मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा के खालवा क्षेत्र के ग्राम मलगांव में पत्नी से बातचीत करने के संदेह में एक युवक की बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने दो दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। युवक राम मंदिर में भागवत कथा में ढोलक बजाकर घर लौट रहा था, तभी आरोपियों ने उसे रास्ते में घेर लिया। उसे रस्सी से बांधकर घसीटा और चमड़े की बेल्ट व बांस के डंडों से बुरी तरह पीटा। गंभीर चोटों के कारण युवक की मौत हो गई थी। सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायालय हरसूद के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुष्पक पाठक ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने तिरन उर्खे (40) और धर्मेन्द्र भल्लावी (32) को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें एक-एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान होगा। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक रविंद्र पंवार ने पैरवी की।

भागवत कथा में ढोलक बजाई, लौटते समय घेर लिया: घटना 4 और 5 अगस्त 2025 की दरमियानी रात की है। खालवा थाना क्षेत्र के ग्राम मलगांव निवासी देवीराम अपने

पिता कालू के साथ गांव के राम मंदिर में आयोजित भागवत कथा में शामिल होने गया था। कथा के दौरान देवीराम ने ढोलक बजाई। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उसके पिता घर लौटकर सो गए, जबकि देवीराम कुछ देर तक मंदिर में ही रुका रहा। इसके बाद वह देर रात घर लौटने लगा।

इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे तिरन उर्खे और धर्मेन्द्र भल्लावी ने उसे घेर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य

आरोपी तिरन को देवीराम पर अपनी पत्नी दुर्गाबाई से बातचीत करने का संदेह था। इसी बात को लेकर उसके मन में रंजिश थी। इसी संदेह के चलते उसने अपने साथी धर्मेन्द्र के साथ मिलकर देवीराम पर हमला किया।

अंधेरे में किया हमला, रस्सी से बांधकर बेल्ट-डंडों से पीटा: अभियोजन के अनुसार, वारदात की रात आरोपियों ने अंधेरे में बत्ती बंद कर देवीराम का इंतजार किया। रास्ते से गुजरते समय आइट मिलने पर देवीराम ने भागने की

सिंगरौली प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देता है, फिर भी विकास उम्मीद के मुताबिक नहीं: विधायक आरिफ मसूद

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक एवं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य आरिफ मसूद शनिवार को पहली बार सिंगरौली पहुंचे ट्रेन के विलंब से चलने के कारण वे निर्धारित समय से करीब छह घंटे की देरी से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनके आगमन पर बैदून के बिलौंजी स्थित सामुदायिक भवन में मुस्लिम एकता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें जिलेभर से अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों, नेताओं और सदस्यों ने भाग लिया



सिंगरौली के विकास को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सिंगरौली मध्य प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले जिलों में शामिल है लेकिन इसके बावजूद यहां विकास कार्य अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो रहे हैं जिले की आर्थिक और औद्योगिक महत्ता को देखते हुए यहां के नागरिकों को बेहतर

सुविधाएं और विकास के अधिक अवसर मिलने चाहिए उन्होंने कहा कि राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद भी यदि जिले की समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हो पा रहा है, तो इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है स्थानीय लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए सरकार और संबंधित विभागों को प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

विधानसभा में उठाएंगे स्थानीय मुद्दे: आरिफ मसूद ने कहा कि वे समस्याओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहा। सिंगरौली प्रवास के दौरान सामने आई समस्याओं और लोगों की परेशानियों को लेकर जा रहे हैं इन मुद्दों को विधानसभा में उठाकर सरकार का ध्यान जिले की ओर आकर्षित करेंगे। उनका कहना था कि स्थानीय समस्याओं को सदन में रखने से उनके समाधान की दिशा में पहल की जा

सकती है सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों ने भी जिले और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े विषयों पर चर्चा की कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय के लोगों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को सामने रखना रहा।

स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रहा दौरा: विधायक आरिफ मसूद का यह दौरा सिंगरौली की विकास संबंधी चुनौतियों और स्थानीय लोगों की समस्याओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहा। सम्मेलन के माध्यम से जिले के मुद्दों पर चर्चा हुई अब स्थानीय लोगों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि विधायक द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर विधानसभा में क्या पहल होती है और जिले की समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कुरवाई क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत जिले की कुरवाई तहसील के विभिन्न ग्रामों में शुक्रवार, को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने भ्रमण एवं निरीक्षण कर जायजा लिया है।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शासकीय योजनाओं, जनहितकारी सेवाओं, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थाओं तथा विकास कार्यों की स्थिति की धरातलीय जायजा लिया है साथ ही ग्रामीणों से

जनसंवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त कर मौके पर निराकरण कराया तथा शेष के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भ्रमण की शुरुआत ग्राम पंचायत बरखेड़ा पठारी से हुई यहां राशन दुकान का निरीक्षण इसके पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला एवं सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर ग्राम की

गौशाला का निरीक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई है।इसके बाद पंचायत भवन पहुंचकर ग्रामीणों से जनसंवाद किया है

इसके पश्चात ग्राम पंचायत बड़ोह में भ्रमण के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले प्राचीन मंदिर समूह का अवलोकन किया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला एवं जनमन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण तथा बड़ोह स्थित विस्थापित कॉलोनी के निवासियों से संवाद किया है।

ग्राम पंचायत पठारी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया तथा ‘ एक बगिया मां के नाम’ पहल के तहत किए गए कार्यों का जायजा लिया ग्राम पंचायत भालबामोरा में तालाब का निरीक्षण कर तालाब के पट्टधारियों से संवाद किया यहां नर्मदा स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित राशन दुकान तथा हायर सेकेंडरी स्कूल का भी निरीक्षण उपरांत संवाद के माध्यम से उनकी समस्याओं को जाना है।

कलेक्टर ने राशन दुकानों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य संस्थाओं, गौशाला एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण व ग्रामीणों से जनसंवाद किया

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत जिले की कुरवाई तहसील के विभिन्न ग्रामों में शुक्रवार , को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने भ्रमण एवं निरीक्षण कर जायजा लिया है।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शासकीय योजनाओं, जनहितकारी सेवाओं, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थाओं तथा विकास कार्यों की स्थिति की धरातलीय जायजा लिया है साथ ही ग्रामीणों से जनसंवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त कर मौके पर निराकरण कराया तथा शेष के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भ्रमण की शुरुआत ग्राम पंचायत बरखेड़ा पठारी से हुई यहां राशन दुकान का निरीक्षण इसके पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला एवं सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है ग्राम की गौशाला का निरीक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई



है।इसके बाद पंचायत भवन पहुंचकर ग्रामीणों से जनसंवाद किया है इसके पश्चात ग्राम पंचायत बड़ोह में भ्रमण के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले प्राचीन मंदिर समूह का निरीक्षण , शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला एवं जनमन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण तथा बड़ोह स्थित विस्थापित कॉलोनी का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए

रहवासियों से चर्चा कर उनकी मूलभूत समस्याओं से अवगत उपरांत समाधान हेतु निर्देश दिए हैं।

ग्राम पंचायत पठारी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया तथा ‘ एक बगिया मां के नाम’ पहल के तहत किए गए कार्यों का जायजा लिया

ग्राम पंचायत भालबामोरा में तालाब का निरीक्षण कर तालाब के पट्टधारियों से

भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रही C/A कुलदीप सिंह सोमवंशी का आरोप

रीवा में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विदेशी हस्तक्षेप पर जताई चिंता, नागरिकों से तथ्यों की जांच करने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अधिवक्ता कुलदीप सिंह सोमवंशी ने अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए पर भारत में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। रीवा से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के राजनीतिक घटनाक्रमों से यह सवाल उठता है कि क्या शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए दूसरे देशों की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं उन्होंने भारत में हो रहे धरना-प्रदर्शनों और विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में भी विदेशी हस्तक्षेप की आशंका

जताई। हालांकि, उन्होंने अपने इन दावों के समर्थन में कोई स्वतंत्र और पुष्ट प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।

विदेशी हस्तक्षेप को लेकर जताई चिंता: सोमवंशी ने आरोप लगाया कि जब किसी देश की सरकार ऐसे फैसले लेती है जो अमेरिका के हितों के अनुरूप नहीं होते, तब वहां राजनीतिक दबाव बनाने या सत्ता परिवर्तन की कोशिशें किए जाने की आशंका रहती है उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को ऐसी संभावनाओं के प्रति सजग रहना चाहिए उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी घटना, बयान या विरोध प्रदर्शन को लेकर निष्कर्ष निकालने से पहले तथ्यों की जांच करें साथ देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को पक्कूत बनाए रखने की दिशा में जिम्मेदारी से व्यवहार करें।

विभिन्न देशों के घटनाक्रमों का किया उल्लेख: अपनी प्रेस विज्ञप्ति में सोमवंशी ने ईरान, र्खवामाला, कांगो, चिली, हैती, इराक, लीबिया, यूक्रेन और हवाई सहित कई देशों के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने 1953 में ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग की सत्ता से बेदखली और 1973 में चिली में हुए सैन्य तख्तापलट को उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत किया इन घटनाओं के संदर्भ में उन्होंने विदेशी शक्तियों की भूमिका और दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के सवाल उठाए। उन्होंने इराक में 2003 के सैन्य अभियान और लीबिया में 2011 के घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उनका तर्क था कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विभिन्न देशों के रणनीतिक और आर्थिक हितों को समझना जरूरी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दुग्ध समितियों में किया गया पौधारोपण



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले की दुग्ध समितियों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समितियों के परिसर में पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में संबंधित समिति के सदस्यों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। पौधारोपण का उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के साथ ही आमजन को प्रकृति के प्रति जागरूक करना है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी से सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मैं हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता था

लेकिन समय और हालात सही नहीं रहे: एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली,एजेंसी। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने तीन साल के लंबे इंतजार के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। उन्होंने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए टेस्ट मैच खेला था, जिसके बाद फिटनेस संबंधी समस्याओं और अवसरों की कमी के कारण उन्हें खेल से दूर रहना पड़ा। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन, नॉर्टजे ने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिससे मेजबान टीम साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया को 187/6 पर रोकने में सफल रही, जिसके बाद खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल को समय से पहले समाप्त करना पड़ा। दार् हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर (4) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 124/6 के स्कोर पर बैकफुट पर धकेल दिया था। अपनी वापसी और इससे पहले के संघर्षों के बारे में बात करते हुए नॉर्टजे ने कहा, मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर

मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थीं। उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट ने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। एक अभ्यास सत्र में नेट्स में रिवर्स स्विंग गेंदों का सामना करते हुए उनके पैर की उंगली टूट गई थी, जिसने उनकी टेस्ट टीम में वापसी की योजनाओं को प्रभावित किया और उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रखा। नॉर्टजे ने कहा, मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। उन्होंने आगे कहा, तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है। नॉर्टजे को टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियां पसंद हैं, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती।

चेन्नई में होने वाले ऐतिहासिक बीबीएल मैच की टिकट बिकी शुरू

पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

खेल के कुछ बड़े नामों के साथ एक अनोखा अनुभव मिलेगा। ब्ल्ले से आतिशबाजी, मैदान पर रोमांच और वर्ल्ड-क्लास एंटरटेनमेंट के साथ, यह दिन बीबीएल मैच का अनुभव लेने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए यादगार होगा। ' स साल मई में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चेन्नई में होने वाले आखिरी घरेलू मैच के लिए आया था। इस मैच के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रेसिडेंट मिथुन महान्त भी उनके साथ शामिल हुए थे। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने चेन्नई में बीबीएल सीजन 16 का ओपनिंग मैच आयोजित करने के लिए बीसीसीआई से संपर्क किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। पर्थ स्कॉर्चर्स मौजूद बीबीएल चैंपियन हैं, जिन्होंने प्रतियोगिता के इतिहास में रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता है। डॉब्सन ने आगे कहा, 'इन मैचों के लिए शुरुआती जबरदस्त मांग और स्थानीय क्रिकेट-प्रेमी समुदाय को देखते हुए उम्मीद है कि 12 दिनों का स्टेडियम पूरी क्षमता से भरा होगा और बाहर से आने वाले फैंस का जोरदार स्वागत किया जाएगा। हम ऑस्ट्रेलियाई फैंस को प्रोत्साहित करते हैं कि वे आएँ और एक खास जगह पर इस अनोखे बीबीएल मैच का अनुभव लें - यह उनके लिए न केवल बिग बैश लीग के इतिहास का हिस्सा बनने का, बल्कि एक नए शहर को जानने का भी जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है।'

मेलबर्न,एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमेटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेन्डाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल

ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग फल देखे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इससे फैंस को

हॉकी स्टार जर्मनप्रीत सिंह: मैदान से खेत तक

● गोल्ड मेडलिस्ट का देसी अंदाज़

डिफेंस लाइन के अभूते किला रहे जर्मनप्रीत ने जापान के आईवी-नागोया से लौटने के बाद अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह ट्रैक्टर चला रहे हैं और बैकग्राउंड में सिद्धू मूसेवाला का गाना बज रहा है। उन्होंने कैप्शन में नेशन ड्यूटी-होम ड्यूटी लिखा है, जो उनके देश और मिट्टी के प्रति गहरे लगाव को दर्शाता है। छह फुट लंबे जर्मनप्रीत भले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हों, लेकिन गांव में वह एक आम इंसान की तरह ही खेतों में काम करते हैं। स्पॉर्ट्स कोटा से उन्हें इनकम टैक्स ऑफिसर की नौकरी मिली है, और उनकी पोस्टिंग बेंगलुरु में है। खेल और नौकरी की व्यस्तताओं के बीच भी, जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह अपने गांव और परिवार के पास लौट आते हैं। जर्मनप्रीत अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी समझते हैं और युवाओं को संदेश देते हुए कहते हैं कि सभी को अपने माता-पिता का साथ देना चाहिए और उनके लिए पर्याप्त समय निकालना चाहिए। उनके अनुसार, माता-पिता हमेशा बच्चों के साथ खड़े रहते हैं, इसलिए बच्चों को भी उनके लिए समय निकालना चाहिए। जर्मनप्रीत की अगली नजर पंजाब सरकार की मेजबानी में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर है।

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के स्टार खिलाड़ी जर्मनप्रीत सिंह, जिन्होंने कुछ हफ्ते पहले ही एशियन गेम्स में भारत को गोल्ड मेडल जिताकर 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करारने में अहम भूमिका निभाई थी, अब अपने पैतृक गांव अमृतसर के रज्जदान में खेतों में ट्रैक्टर चलाते हुए नजर आ रहे हैं। भारतीय

किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते

गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला जरूरी: गौतम गंभीर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को शुक्रवार को रांची में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में 249 रन का विशाल स्कोर बनाने के बावजूद 6 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने मीडिया से बात करते हुए बल्ले और गेंद के बीच अधिक कड़े और संतुलित मुकाबले की आवश्यकता पर जोर दिया। गंभीर ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के प्रदर्शन की जमकर तारीफ भी की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने स्पष्ट शब्दों में कहा, आप किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते। अगर आप सुधार करते रहना चाहते हैं, तो आप किसी भी बात को छिपाना नहीं चाहते। हम एक वर्ल्ड चैंपियन टीम हैं, इसलिए हम सुधार करते रहना चाहते हैं। गंभीर ने स्वीकार किया कि गेंदबाजों के लिए हालात बेहद मुश्किल थे। उन्होंने कहा, ये साफ तौर पर गेंदबाजों के लिए मुश्किल हालात हैं। हम जानते हैं कि ओस वाली सपाट विकेटें होती हैं। यह मुश्किल है। हमें इसका हल निकालना होगा। उन्होंने वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय दिया, विशेष रूप से शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड की बल्लेबाजी को। गंभीर ने कहा, वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय जाता है। वेस्टइंडीज ने पहले ओवर में दो विकेट और फिर पावरप्ले में

विकेट गंवा दिए। इसके बाद शाई होप और शेरफेन ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों वर्ल्ड-क्लास बल्लेबाज हैं। यह हमारे लिए मुश्किल था, लेकिन हम सुधार करते रहेंगे। गंभीर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए क्रिकेट की प्रकृति पर सवाल उठाया, जहाँ गेंदबाजों को अक्सर बल्लेबाजों के रहस्योद्घाटन पर छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, हालात ऐसे होने चाहिए कि बॉलर्स को बैटर्स के रहस्योद्घाटन के बजाय मुकाबला करने का सही मौका मिले। भारतीय हेड कोच ने क्रिकेट के समग्र स्वास्थ्य के लिए संतुलित प्रतिस्पर्धा को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हम एक बराबरी का मुकाबला भी देखना चाहते हैं। ये बॉलर हमारे बॉलर हैं, किसी और के नहीं। उनका करियर दांव पर लगा है, उन्होंने इस ड्रेसिंग रूम में बैठने के लिए बहुत मेहनत की है। अगर मुकाबला बराबरी का रहा, तो हम क्रिकेट का बेहतर खेल देखेंगे। गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के प्रदर्शन की विशेष सराहना की, जिन्होंने शुरुआती सफलता दिलाकर टीम को थोड़ी उम्मीद दी थी।

स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाज बने

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पूर्व कप्तान स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट के शुरुआती दिन स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। अब उनसे आगे केवल रिकी पोंटिंग और एलन बॉर्डर हैं। मुकाबले की पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे स्मिथ ने 53 गेंदों में 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो छक्के लगाए। स्टीव वॉ को पीछे छोड़ने के लिए स्मिथ को मैच से पहले केवल आठ रन की जरूरत थी। पारी में आठवां रन पूरा करते ही उन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। स्टीव वॉ ने अपने टेस्ट करियर में 168 मैचों की 260 पारियों में 10,927 रन बनाए थे। वहीं, स्मिथ ने अपने 126वें टेस्ट की 224वीं पारी में इस आंकड़े को पार किया। उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, स्मिथ के नाम अब 10,945 टेस्ट रन दर्ज हैं। वह 11,000 रन पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे बल्लेबाज बनने के करीब हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम है। उन्होंने 168 टेस्ट मैचों में 13,378 रन बनाए। इस सूची में दूसरे स्थान पर एलन बॉर्डर हैं, जिनके नाम 156 टेस्ट मैचों में 11,174 रन दर्ज हैं। स्मिथ ने वर्ष 2010 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनके नाम अब तक 37 शतक और 45 अर्धशतक हैं, जबकि उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 239 रन है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी स्मिथ एक और

उपलब्धि के करीब हैं। इस टीम के विरुद्ध उनके खाते में 958 टेस्ट रन बताए गए हैं। दूसरी पारी में 42 रन बनाते ही वह 1,000 रन पूरे कर सकते हैं।

रुतुराज, साई और पडिक्कल ने गंवाए विश्व कप टीम में जगह बनाने के मौके

● इंडिया ए के तीन बल्लेबाज लगातार रहे फ्लॉप

नई दिल्ली,एजेंसी। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 की तैयारियों के बीच भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल रहे रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। तीनों बल्लेबाज लगातार दो मुकाबलों में बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। इंडिया ए को इन खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन अब तक वे मिले मौकों का फायदा नहीं उठ सके हैं। भारत में खेली जा रही इस सीरीज के दूसरे वनडे में भी इंडिया ए की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला खामोश रहा। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण इन खिलाड़ियों को विश्व कप टीम में जगह बनाने की दावेदारी पर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, विश्व कप में अभी समय है और अंतिम टीम का चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस तथा टीम की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

दो मैचों में साई सुदर्शन का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पहले वनडे में केवल एक रन बनाया, जबकि दूसरे मुकाबले में उनके बल्ले से 16 रन निकले। लगातार दो पारियों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहने से उनके सामने अपनी बल्लेबाजी में निरंतरता साबित करने की चुनौती है।

'भारतीय गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं'

दूसरे टी20 में टीम इंडिया की हार को लेकर बोले वरुण एरोन

बल्लेबाजी करते हुए मैच का रख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया। यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी।शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय

नई दिल्ली,एजेंसी। रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक

गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए। मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत जल्दी घबराहट में आकर गलतियां कीं। '

शुरुआती सफलता मिलने के बाद भारतीय टीम ने लगातार एक ही लेंथ पर गेंदबाजी करने की रणनीति छोड़ दी। मयंक यादव ने पहले ही ओवर में दो विकेट लिए और कुल तीन विकेट चटकाए, जिससे भारत को मेहमान टीम पर दबाव बनाए रखने का मौका मिला। एरोन को लगा कि गेंदबाज बार-बार वेरिएशन (अलग-अलग तरह की गेंदें) आजमाने के बजाय सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी जारी रखकर उस शुरुआती बढ़त का बेहतर फायदा उठ सकते थे।

शे होप की आक्रामक बल्लेबाजी के कायल हुए केविन पीटरसन

नई दिल्ली,एजेंसी। रांची में वेस्टइंडीज और भारत के बीच खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मेहमान टीम ने इतिहास रचते हुए भारत के विशाल 249 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया। वेस्टइंडीज ने 252 रन बनाकर 6 विकेट से यह मुकाबला जीता, जिसमें कप्तान शे होप ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने मात्र 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की धमाकेदार पारी खेली, जो टी20 क्रिकेट में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रन चेज बन गया। इस असाधारण प्रदर्शन के बाद, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन होप की प्रतिभा से बेहद प्रभावित हुए और उन्होंने सुझाव दिया कि अब उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में अपना नाम दर्ज कराना चाहिए। पीटरसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अगर शे होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है। होप की यह पारी न केवल मैच विजेता थी बल्कि उनकी क्षमता का भी प्रदर्शन थी कि वे दबाव में कैसे खेल सकते हैं। उन्होंने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाकर सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। होप ने अपनी पारी में आक्रामकता और नियंत्रण का एक शानदार संतुलन दिखाया। उन्हें युवा बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड का बेहतरीन साथ मिला, जिन्होंने 37 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेली। होप और रदरफोर्ड ने मिलकर 120 रन की साझेदारी की, जिसने मैच का रख पूरी तरह से बदल दिया और भारतीय गेंदबाजों को बेबस कर दिया। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, जबकि कप्तान होप ने सुनिश्चित किया कि टीम सही रास्ते पर रहे और आखिरी पलों में कप्तान संभालते हुए जीत दिलायी।भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित पांच विकेट पर 249 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। इसमें सजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 रन की शानदार पारी खेली, वहीं तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने भी 43 रन बनाए थे।

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्रीय कैंसर संस्थान, पंडित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय रायपुर में फेफड़ों के कैंसर के आधुनिक निदान

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। क्षेत्रीय कैंसर संस्थान (RCC), रायपुर में 10 अक्टूबर को फेफड़ों के कैंसर के सटीक निदान एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों पर केंद्रित राज्यस्तरीय कार्यशाला ‘प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी इन लंग डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट’ का आयोजन किया जा रहा है। दोपहर 1:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का मुख्य विषय ‘लिविङ बायोप्सी एवं लंग कैंसर स्क्रीनिंग’ रखा गया है। शुरुआती जांच और सटीक रेफरल पर जोर ‘यू सी डेम फर्स्ट, मेक दैट फर्स्ट लुक काउंट’ के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य कैंसर विशेषज्ञों, पल्मोनोलॉजिस्ट्स, चेस्ट फिजिशियन तथा संबद्ध चिकित्सकों को फेफड़ों के कैंसर की शुरुआती पहचान और आधुनिक मॉलिक्यूलर जांचों के प्रति सशक्त बनाना है। विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर का मरीज ऑन्कोलॉजी सेंटर पहुँचने से पहले सामान्य क्लिनिक या चेस्ट विशेषज्ञों के पास जाता है, ऐसे में पहली जांच के दौरान ही सविधि मामलों को सही तकनीक से चिन्हित कर समय पर रेफर करना मरीज के जीवन रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला के प्रमुख विषय स्क्रीनिंग एवं लो-डोज सीटी (LDCT): फेफड़ों की जांच में लो-डोज सीटी स्कैन की उपयोगिता तथा जांच के दौरान सामने आने वाले आकस्मिक निष्कर्षों का सटीक विश्लेषण। बायोप्सी और सैपल गुणवत्ता: इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के माध्यम से बायोप्सी के दौरान पर्याप्त टिशू प्राप्त करना और ‘टिशू इज द इशू’ जैसी तकनीकी बाधाओं को दूर करना। लिविङ बायोप्सी व आधुनिक तकनीक: नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (NSCLC) और लिविङ बायोप्सी की भूमिका और नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग (NGS) रिपोर्ट्स के विश्लेषण की बाौतिकता। केस स्टडीज व पैनल डिस्कशन: बनावटिक मामलों के आधार पर ऑन्कोजेनिक ड्राइवर म्यूटेशन और थेरेपी चयन पर गहन विचार-विमर्श। राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ देशी प्रशिक्षण कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित कैंसर संस्थानों से विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे: डॉ. आदित्य धनावत (कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर, एक्स्ट्रेक, मुंबई) डॉ. भरत गुप्ता (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट, आरजीसीआई, नई दिल्ली) डॉ. डैफने फोंसेका (ऑन्कोपैथोलॉजिस्ट, बासवतारकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल, हैदराबाद) डॉ. समीर अग्रवाल (मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट एवं एनजीएस विशेषज्ञ, आर्मी हॉस्पिटल, नई दिल्ली) आयोजन समिति कार्यशाला के मुख्य संरक्षक डॉ. विवेक चौधरी (डीन एवं डायरेक्टर, आरसीसी रायपुर) हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं चैयरपर्सन डॉ. मंजुला बेक, आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप चंद्राकर और कोषाध्यक्ष डॉ. राजीव जैन हैं। आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्यों में डॉ. दिव्या रेक्स फ्रांसिस, डॉ. उमेश देवांगन, डॉ. दीपिका नगेशिमा, डॉ. निवेदिता वर्मा एवं डॉ. प्रभाकर गुप्ता शामिल हैं। डिस्कशन में एक्सपर्ट के रूप में ऑन्कोपैथोलॉजिस्ट, कैंसर विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, पल्मोनोलॉजिस्ट्स, चेस्ट फिजिशियन इत्यादि सम्मिलित होंगे।

चित्रकोट की खूबसूरती और बरहट की लोक-संस्कृति ने गोदा देशभर से आए अधिकारियों का मन



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ने राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल होने आए देशभर के वरिष्ठ अधिकारियों को खासा प्रभावित किया। जगदलपुर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के समापन के बाद विभिन्न राज्यों से आए अधिकारियों और विशेषज्ञों ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती नदी की मनोरम जलधारा और पारंपरिक लोकनृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया। चित्रकोट पहुंचने पर स्थानीय जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक गौर नृत्य से अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया। गौर सींगों से सुसज्जित मुहुट और कौड़ियों की मालाएं पहने कलाकारों ने मांदर और ढोल की थाप पर आकर्षक प्रस्तुति दी। अधिकारियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और बस्तर का सांस्कृतिक विरासत को अपने कैमरों में सहेजा।

सहकारिता आंदोलन को गति देने स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनाएं कार्ययोजना : डॉ. आशीष भूटानी

अगला राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन जनवरी में तमिलनाडु के महाबलीपुरम में होगा



मजबूत होगा। जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिरता के लिए पैक्स का आर्थिक रूप से सक्षम और सक्रिय होना जरूरी है। उन्होंने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने और सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहचान बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं एनसीईएल, एनसीओएल और बीबीएसएसएल के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता बताई। सहकारी बैंकिंग व्यवस्था के आधुनिकीकरण

पर जोर देते हुए उन्होंने नाबाई द्वारा विकसित किए जा रहे एकीकृत कोर बैंकिंग सॉल्यूशन प्लेटफॉर्म की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तकनीकी उन्नयन से सहकारी बैंकों की सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही साइबर सुरक्षा मजबूत करने और वित्तीय जोखिमों से बचाव के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने पैक्स कंप्यूटरीकरण के पहले चरण को दिसंबर तक पूरा करने और लंबित ऑडिट कार्य अक्टूबर तक निपटाने पर भी जोर दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए डॉ. भूटानी ने देशव्यापी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना के तहत गोदाम निर्माण में तेजी लाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अतिरिक्त किसानों के लिए टिकाऊ स्थानीय विपणन विकल्प विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने गांवों में असंगठित दुग्ध संकलन केंद्रों को औपचारिक

डेयरी सहकारी समितियों में बदलने की जरूरत भी बताई। सम्मेलन के समापन पर डॉ. भूटानी ने आयोजन की बेहतर व्यवस्था और आतिथ्य के लिए छत्तीसगढ़ सरकार तथा बस्तर जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने बताया कि सहकारिता क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा के लिए अगला राष्ट्रीय सम्मेलन जनवरी 2027 में तमिलनाडु के महाबलीपुरम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर तमिलनाडु की अपर मुख्य सचिव सहकारिता मती पी. अमुधा, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सहकारिता पंकज बंसल, संयुक्त सचिव सहकारिता सिद्धार्थ जैन, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव सहकारिता डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं रमेश कुमार शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के सहकारिता सचिव, पंजीयक और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ: राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप का शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल डेका आज सरकंड स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलो से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक शामिल हैं। खिलाड़ियों की भाग ले रहे हैं। सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान राज्यपाल



डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की

जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वही रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया समारोह में राज्यपाल डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हेमवती नाग, अभिषेक जायसवाल, कुमारी शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए ।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जीपीएम में जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश

स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने लिया जल स्रोतों की सुरक्षा का संकल्प

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जीपीएम जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता और सुनिश्चित पेयजल के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत चिचोगेहना में जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नदी घाट स्वच्छता अभियान, जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोत जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा सवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जागरूकता रैली निकाली और ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता तथा सुरक्षित पेयजल के

उपयोग का संदेश दिया। बच्चों ने अपनी सहभागिता से पानी की हर बूंद के महत्व को रेखांकित करते हुए जल स्रोतों की स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया। इस अवसर पर नदी घाट एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। विभागीय अमले ने ग्रामीणों को बताया कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। नदी, तालाब, कुएं एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों को स्वच्छ रखना पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए भी आवश्यक है। जल जन चौपाल में ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग, जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा जल प्रदूषण की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई। ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच के साथ स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व पर चर्चा की गई।

हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल, अधिकारियों को दिए त्वरित राहत के निर्देश

सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के मरडीह, फुंगी और कुर्यंतपारा का किया दौरा, हाथियों से हुए नुकसान का लिया जायजा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित ग्राम मरडीह, फुंगी और कुर्मंतपारा का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों, एसडीएम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने प्रभावित गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और हाथियों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों तथा उन्हें



हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और राहत संबंधी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। मंत्री अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाथियों से प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कर मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता

के साथ पूरी की जाए। प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में न हो अनावश्यक विलंब मंत्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के कारण हुए नुकसान का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आकलन किया जाए। प्रभावित परिवारों के प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे मामलों में विभागीय समन्वय बनाए रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर शासन पूरी तरह संवेदनशील है।

सिटीजन को कस्टमर भी माने, प्राथमिकता एवं जवाबदेही से करें व्यवहार - सोनमणि बोरा

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव ने रायपुर नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज रायपुर नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में रायपुर में इज ऑफ लीविंग (Ease of Living) और नागरिक-केंद्रित (Citizen-Centric) प्रशासन पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सिटीजन को कस्टमर भी मानें और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता एवं जवाबदेही से पूर्ण करें। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक नीलेश रसागर, सूड के सीईओ सुमीत अग्रवाल और रायपुर नगर निगम के आयुक्त सवि्त मिश्रा भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे। प्रमुख सचिव बोरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कार्यों में गोलमोल जवाब पर अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास में गुणवत्ताहीन काम और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके कार्यों में कोताही न बरेंतें। उन्होंने शहर में साफ-सफाई की कमजोर व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने निगम के अधिकारियों को शहर में गंदगी की तस्वीरें दिखाकर सफाई की सुदृढ़ और प्रभावी व्यवस्था बनाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने काम में लापरवाही पर दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।



प्रमुख सचिव बोरा हुए नाराज, अफसरों को लगाई कड़ी फटकार: नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने समीक्षा बैठक में केंद्र प्रवर्तित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने जोन आयुक्तों एवं अभियंताओं को आड़े हाथों लेते हुए कार्यों में प्राति तथा सुधार लाने की नसीहत दी। अपेक्षित प्राति नहीं होने पर उन्होंने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने जोन कमिश्नरों, उपायुक्तों एवं अपर आयुक्तों को भी प्रतिदिन मॉनिंग

विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉनिंग विजिट की रिपोर्ट ग्रुप में साझा करने के भी निर्देश दिए। बोरा ने रायपुर नगर निगम में स्वास्थ्य सेवाओं की बढहाली को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अफसरों की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं की निगरानी तथा मॉनिटरिंग सीसीटीवी कैमरे लगाकर की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन में इतनी ढिलाई किसी भी स्थिति में सही नहीं है। उन्होंने कड़े

शब्दों में निर्देशित किया कि इन परियोजनाओं की मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन की मुख्यालय स्तर पर निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि जोन स्तर पर जोन आयुक्तों तथा अभियंताओं के कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए वे आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव बोरा द्वारा जोन-8 की जोन आयुक्त मती राजेश्वरी पटेल से पीएम आवास योजना के संबंध में सवाल पूछने पर वे कोई जवाब नहीं दे पाईं। जिस पर प्रमुख सचिव खासे नाराज दिखे और कहा कि यदि जोन आयुक्त को ही योजना की जानकारी नहीं है तो योजना की प्रगति का अंदाजा में लगा सकता हूं। प्रमुख सचिव ने जेम पोटल में निविदाओं में विलंब पर रायपुर नगर निगम के प्रभारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडू को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरोत्थान योजना के कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता इमरान खान को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव बोरा ने बैठक में कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग को नागरिकों को उपभोक्ता की तरह मानना चाहिए। जिस प्रकार एक राहक अपने दुकानदार से ये अपेक्षा रखता है कि वो उसे सही समय पर सही सामग्री उपलब्ध कराएगा और उसकी शिकायतों का विनम्रतापूर्वक निवारण करेगा।

बोरा ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना

अधोसंरचना मद और 15वें वित्त आयोग सहित सभी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर तिमाही में कार्यों की अच्छी प्रगति दिखना चाहिए। उन्होंने निगम के अभियंताओं और अधिकारियों को विजन के साथ काम करते हुए निकट भविष्य में होने वाले कार्यों की रूपरेखा भी बनाकर रखने को कहा। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बोरा ने रायपुर में बन रहे नए नालाद परिसर में पुराने नालाद परिसर की कमियों-खामियों को दूरकर आधुनिक परिसर और उच्च स्तरीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नए भवन में दिवागजनों के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा बोरा ने निगम द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स में बिजली की खपत को कम करने एनर्जी इफिशिएंट (Energy-Efficient) तकनीकों का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जन सुविधाओं को नागरिकों तक पहुंचाने, जरूरत के अनुसार उन्हें दस्तावेज उपलब्ध कराने और राजस्व वसूली में डिजिटल व आधुनिक तकनीकों को अपनाने को कहा। इससे नागरिकों की सुविधाएं बढ़ेंगी और उन्हें तेजी से नागरिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।